वनाग्नि में छत्तीसगढ़ पहले उत्तराखंड सातवें स्थान पर

इस साल फायर सीजन में भले ही वनाग्नि की घटनाएं उत्तराखंड में आपदा के स्तर तक पहुंच गई थी लेकिन पूरे देश पर निगाह डालें तो उत्तराखंड सातवें स्थान पर हैं। केंद्रीय पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक इस 9 राज्यों में साल जून तक पूरे देश में 24 817 की घटनाएं हुई। इनमें छत्तीसगढ़ उड़ीसा और मप्र में सबसे ज्यादा वनाग्नि की घटनाएं हुई।

मणिपुर सबसे निचले पायदान पर रहा। बता दें कि पिछले साल जून तक 15937 घटनाएं हुई थीं। बता दें कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने उत्तराखंड के वनाग्नि वाले इलाकों में वनाग्नि के निरीक्षण के लिए एक विशेषज्ञों की टीम भी भेजी थी, ताकि वह वनाग्नि के कारणों की पड़ताल कर उसे रोकने के उपाय सुझाए। विशेषज्ञ दल की रिपोर्ट के मुताबिक उत्तराखंड में जंगलों में आग लगने की ज्यादातर घटनाएं लोगों की अनदेखी की वजह से हुई। दल ने सुझाव दिया है कि वन प्रबंधन के पुराने तौर तरीकों मसलन फायर लाइन, नियंत्रित आग, फायर डिटेक्शन सिस्टम, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के उपयोग, जनभागीदारी बढ़ाने, आग बुझाने के उपकरणों की पर्याप्त उपलब्धता, लोगों व स्टाफ को समुचित प्रशिक्षण व वनाग्नि प्रबंधन के सुझाव दिए हैं।

राष्ट्रीय सहारा (देहरादून),27 July 2016